>

Title: Need to develop adequate tourist facilities in Aurangabad, Maharashtra to boost tourism in the region.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): महाराष्ट्र के मेरे संसदीय क्षेत्र औरंगाबाद को 52 गेटो का शहर कहा जाता है जहां प्राचीन इमारते एवं ऐतिहासिक धरोहरें अपने अटूट इतिहास का बयान कर रही हैं। मेरे इस संसदीय क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम एवं बौद्ध संस्कृति का अनुपम समन्वय देखने को मिलता है। अजन्ता एवं एलौरा की गुफाएं पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। जायकाबाडी डैम और बीबी का मकबरा, औरंगजेब की कब्र इस जिले में स्थित हैं, गुफाओं में बौद्ध कलाकृति एवं अद्भुत गौतम बुद्ध की मूर्तियों अहिंसा एवं शांति का संदेश दे रही है। दौलतबाद का देवगिरी किला, हिन्दुओं के कई प्रसिद्ध मंदिर जिसमें, भदरा मारूति मंदिर दुलीभंजन के भगवान दत्त का मंदिर एवं 12 ज्योतिर्लिंग में एक ज्योतिर्लिंग इसी औरंगाबाद में स्थित है। इन एंतिहासिक स्थलों को देखने के लिए विश्व भर के पर्यटक आते हैं, परंतु यहां पर पहुंचने के लिए उन्हें कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। औरंगाबाद के ऐतिहासिक धरोहरों की महत्ता को देखते हुए यहां पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यहां पर आने जाने के लिए मात्र एक दो रेलगाड़ियां हैं। औरंगाबाद को वायुयान सेवा से कई अन्य शहरों से जोड़ा जाना चाहिए और पर्यटन की सुविधा को बढ़ाना चाहिए। पर्यटन की आवश्यक सुविधा यहां पर न के बराबर है।

पूरे भारत में महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में पर्यटन के विकास की काफी संभावनाएं हैं और काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। अतः सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में पर्यटन की संभावनाओं का भरपूर उपयोग किया जाये।